



Hargharpanditji

॥ बुधवार व्रत मंत्र ॥
॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ बुधवार व्रत मंत्र ॥

बुधवार का व्रत मुख्य रूप से भगवान श्री गणेश तथा बुध ग्रह की कृपा प्राप्त करने के लिए किया जाता है। पूजा के समय निम्नलिखित मंत्रों का श्रद्धापूर्वक जप करना शुभ माना जाता है।

1. श्री गणेश मूल मंत्र

ॐ गं गणपतये नमः॥

जप संख्या: 11, 21, 51 या 108 बार।

फल: सभी विघ्नों का नाश, बुद्धि, विवेक और सफलता की प्राप्ति।

2. बुध ग्रह बीज मंत्र

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः॥

जप संख्या: 9, 27 या 108 बार।

फल: बुध ग्रह की शांति, बुद्धि, वाणी, शिक्षा, व्यापार और संचार-कौशल में वृद्धि।

3. बुध ग्रह वैदिक मंत्र

ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रति जागृहि त्वमिष्टापूर्ते सं सृजेथामयं च।

अस्मिन्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन् विश्वेदेवा यजमानश्च सीदत॥

जप संख्या: 11 या 21 बार।

फल: मानसिक स्पष्टता, शुभ बुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना।

4. बुध ग्रह पौराणिक मंत्र

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।

सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्॥

जप संख्या: 11 या 21 बार।
फल: बुध ग्रह की कृपा, मधुर वाणी और निर्णय क्षमता में वृद्धि।

5. गणेश गायत्री मंत्र

ॐ एकदन्ताय विद्महे
वक्रतुण्डाय धीमहि।
तन्नो दन्तिः प्रचोदयात्॥

जप संख्या: 11, 21 या 108 बार।
फल: ज्ञान, बुद्धि, स्मरण शक्ति और आध्यात्मिक प्रकाश की प्राप्ति।

बुधवार व्रत में मंत्र-जप की विधि

प्रातः स्नान कर स्वच्छ हरे या हल्के रंग के वस्त्र धारण करें।
भगवान गणेश और बुध ग्रह का ध्यान करें।
दूर्वा, हरे फल, मूंग और पुष्प अर्पित करें।
दीपक और धूप जलाकर श्रद्धापूर्वक पूजा करें।
पहले "ॐ गं गणपतये नमः" का जप करें।
इसके बाद "ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः" का कम से कम 108 बार जप करना शुभ माना जाता है।
अंत में भगवान गणेश से बुद्धि, विवेक और जीवन की बाधाओं को दूर करने की प्रार्थना करें।

विशेष प्रार्थना

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥